अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

वार्षिक साधारण सभा का कार्यवृत

24 सितंबर 2023, केंद्रीय सम्मेलन सभागार, कोलकाता

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की वार्षिक साधारण सभा रविवार, 24 सितंबर 2023 को सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया के सभापतित्व में कोलकाता स्थित केंद्रीय सम्मेलन सभागार, कोलकाता में आयोजित की गई।

बैठक में सदस्यों की उपस्थिति निम्नवत रहीः

श्री शिव कुमार लोहिया	श्री नंदलाल रूंगटा	श्री संतोष सराफ	श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया
श्री दिनेश कुमार जैन	श्री मधुसूदन सीकरिया	श्री राज कुमार केडिया	श्री कैलाशपति तोदी
श्री पवन कुमार जालान	श्री संजय गोयनका	श्री केदार नाथ गुप्ता	श्री संजय हरलालका
श्री रतन शाह	श्री आत्माराम सोंथालिया	श्री भानीराम सुरेका	श्री नंद किशोर अग्रवाल
श्री बसंत मित्तल	श्री जय गोविन्द इंदोरिया	श्री शिव कुमार बागला	श्री अनिल कुमार डालमिया
श्री महेंद्र भगानिया स्वामी	श्री संदीप कुमार सेक्सरिया	श्री रवि लोहिया	श्री प्रदीप जीवराजका
श्री नरेंद्र कुमार तुलस्यान	श्री रघुनाथ झुनझुनवाला	श्री विनय सराफ	श्री अनिल मलावत
श्री संदीप गर्ग	श्री अरुण मल्लावत	श्री माधव सुरेका	श्री जगदीश चंद्र एन मुँधड़ा
श्री सांवरमल शर्मा	श्री अजीत सहेवाल	श्री दिनेश कुमार सिंघानिया	श्री गोविंद प्रसाद पंसारी
श्री गोपी राम धुवालिया	श्री संजीव कुमार केडिया	श्री राधा किशन सफ्फड़	श्री सुभाष चंद गोयनका
श्री आलोक झुनझुनवाला	श्री अमित मूंधडा	श्री राजेंद्र प्रसाद सुरेका	श्री राजेश ककरानिया
श्री सुरेश अग्रवाल	श्री मुकेश कुमार खेतान	श्री नरेश डालमिया	श्री राजेंद्र राजा
श्री रोहित गोयल	श्री विष्णु अग्रवाल	श्री नंदलाल सिंघानिया	श्री सिद्धांत जोशी
श्री सरद श्रॉफ	श्री संपत बरमेचा	श्री एन.के.टेनवाल	श्री आर. एस. गुप्ता
श्री पवन बंसल			

निम्नलिखित सदस्यों ने अनुपस्थिति की सूचना दीः

श्री युगल किशोर अग्रवाल	श्री रमेश बूबना	श्री दीपक बुचासिया	श्री बिश्वनाथ खड़किया
श्री कमलेश कुमार नाहटा	श्री रवि शंकर शर्मा		

कार्यसूची 1. अध्यक्षीय संबोधन:

सर्वप्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने सभी उपस्थित सदस्यों का अभिवादन करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि समाज की ज्वलंत समस्याओं के बारे में सम्मेलन सजग होकर काम कर रहा है। सकारात्मक अनेक सुझाव हमें प्राप्त हुए हैं। जो सकारात्मक उर्जा आज यहाँ से हमें मिलेगी, वह इस सत्र में सफलता के नए आयाम स्थापित करेगी। आगे भी जो सुझाव आएगा उसे हृदय से स्वीकार कर हम आगे बढ़ेंगे।

कार्यसूची 2. पिछली साधारण सभा का कार्यवृत:

सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी ने पिछले वार्षिक साधारण सभा की कार्यवृत्त को सभा पटल पर रखा, जिसे सर्वसम्मति से पास किया गया। वार्षिक साधारण सभा में वित्तीय वर्ष 2022-2023 के दौरान सम्मेलन के क्रिया-कलापों का विवरण सबके समक्ष प्रस्तुत किया।

कार्यसूची 3. वित्तीय वर्ष 2022—23 के क्रियाकलापों पर प्राप्त हुए प्रतिवेदन पर चर्चा:

निवर्तमान महामंत्री श्री संजय हरलालका ने कहा कि सम्मेलन में डिजिटलाइजेशन पर काफी काम हुआ है, इसको प्रचारित करने की आवश्यकता है। सम्मेलन का मुख्य कार्य समाज-सुधार है, इसको ध्यान में रखकर सजकता से आगे बढ़ते रहना चाहिए।

कार्यसूची 4. वित्तीय वर्ष 2022—23 का लेखा—जोखा तथा संतुलन पत्र पर विचार—विमर्श करना एवं स्वीकृत करना:

सम्मेलन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री केदार नाथ गुप्ता ने वित्तीय उपसमिति के चैयरमेन श्री आत्माराम सोंथलिया के सहयोग से 2022-23 का आय-व्यय एवं संतुलन पत्र सभा पटल पर रखा, जिसे सर्वसम्मति से अंगीकृत किया गया।

सम्मेलन के वरिष्ठ सदस्य एवं फाइनेंस समिति के चेयरमैन श्री आत्माराम सोंथलिया जी के 90वें वर्ष में पदार्पण करने पर सम्मेलन पदाधिकारीगण द्वारा पुष्पगुच्छ, शाल एवं दुपट्टा से सम्मान किया गया तथा उनके दिर्घायु होने की कामना की गई।

सम्मेलन के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाडोदिया ने कहा कि समन्वय के साथ हमें आगे बढ़ने की आवश्यकता है। संगठन के लोगों को यह समझकर रखना चाहिए कि सम्मेलन के संविधान में संशोधन हो सकता है, लेकिन जब तक संशोधन नहीं होता तब तक यह मानस की चौपाई ही है।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नंदलाल रुंगटा ने अपना सुझाव देते हुए कहा कि इस सत्र में ज्यादा से ज्यादा सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा जाए। सभी प्रांतों में ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ा जाए। सम्मेलन की किसी भी समस्या को सुलझाने के लिए हमारी सामूहिक जिम्मेदारी बनती है। सम्मेलन के सभी लोगों को संविधान का अनुपालन करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि श्री ईश्वरदास जालान जी सम्मेलन के प्राणपुरुष हैं तो श्री नंद किशोर जालान जी हमारे प्रेरणा-पुरुष हैं। श्री जालान जी के शतवार्षिकी जयंती पर हमें विशेषांक निकालने पर विचार करना चाहिए।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने सुझाव देते हुए कहा कि डिजिटलाइजेशन के माध्यम से आप सभी सूचनाएं सदस्यों तक पहुंचा रहे हैं यह अच्छी बात है। जिन प्रांतों में आज कम शाखाएं हैं वहाँ प्राथमिकता के आधार पर 5-7 नई शाखाएँ खोलने का प्रयास करना चाहिए। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री मधुसूदन सीकरिया ने कहा कि समरसता के साथ समाज-सुधार कार्य को आगे बढ़ाने के लिए हमें समाज के विभिन्न घटक दलों को साथ लेकर काम करने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री राज कुमार केडिया ने कहा कि किसी भी विवाद को वार्तालाप के माध्यम से हमें सुलझाने की कोशिश करनी चाहिए।

पूर्व उपाध्यक्ष श्री भानीराम सुरेका ने कहा कि वार्षिक साधारण सभा में इतने सारे लोगों की उपस्थिति एक अच्छा संकेत है। पूर्व महामंत्री श्री रतन साह ने अपना सुझाव देते हुए कहा कि प्रत्येक प्रांत को अपने स्तर पर '**आपणी भाषा**' में लिखने वाले लोगों को पुरस्कृत करने का संकल्प लेना चाहिए।

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री बसंत मित्तल ने कहा कि केंद्र को प्रांतों की ओर ध्यान देना चाहिए। किसी भी समस्या को मिल-बैठकर सुलझाना चाहिए। पश्चिम बंग मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष श्री नंदकिशोर अग्रवाल ने कहा कि संविधान की अवहेलना करने वाले के साथ सख्त कार्रवाई करना चाहिए। अन्य वक्ताओं में श्री गोपी राम धुवालिया, श्री मुकेश खेतान ने अपने विचार रखें।

विस्तृत चर्चा के बाद आय-व्यय का ब्यौरा सभा में सर्व सम्मति से स्वीकृत किया गया।

<u>कार्यसूची 5. विविध–अध्यक्ष की अनुमति से:</u>

सर्वसम्मति से अगली वार्षिक साधारण सभा तक के लिए मेसर्स सी. के. अग्रवाल एंड कंपनी को सर्वसम्मति से सम्मेलन का लेखा-परीक्षक नियुक्त किया गया ।

सम्मेलन के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री संजय गोयनका ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष **राष्ट्रीय महामंत्री**